DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS------ पंजाब केसरी -----DATED---13-1-2023

आरडब्ल्यूए कार्यालय का किया उद्घाटन

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): अशोक विहार एफ-ब्लॉक में आरडब्ल्यूए कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यालय का उद्घाटन स्थानीय निगम पार्षद योगेश वर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने एफ-ब्लॉक की गलियों का डीडीए और नगर-निगम के अधिकारियों के साथ मिलकर निरीक्षण किया। और स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान करने का निर्देश भी दिया। इस दौरान आरडब्ल्यूए प्रधान पवन अग्रवाल, एस.आर रोहिल्ला, चौधरी सूरजभान, विपिन कक्कड़, सुशील अग्रवाल, मनोज हंसारिया, विपुल गोविल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, पतंजलि सोते व अन्य लोग उपस्थित रहे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
FRIDAY, JANUARY 13, 2023

NEWSPAPERS----------

NGO goes to LG over DDA move to 'demolish' 2 night shelters

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Centre for Holistic Development, an NGO working for the welfare of the homeless, wrote to lieutenant governor VK Saxena on Thursday seeking his intervention to stop the demolition ordered by Delhi Development Authority of two night shelters.

The NGO's executive director, Sunil Kumar Aledia, said the DDA had sought police support to carry out an anti-encroachment drive between a railway line and NH24 on the eastern bank of the Yamuna. The area also has two homeless shelters which were set up after following due procedure but were on the verge of demolition, he added.

A DDA spokesperson said that as per orders of the National Green Tribunal, the riverbank should be free from encroachment.

Aledia said there is one shelter for homeless families near Akshardham temple, and another for men, which was set up after Delhi High Court took cognisance of deaths due to extreme cold a few years ago. "The DDA is clearing up encroachment to make way for widening of road. The homeless should either be shifted under the nearby flyover or at another suitable location before the DDA starts removing the structure," Aledia said in the letter.

"Relocation will help save the homeless from the wrath of the biting cold," he added.

दैनिक जागरण

आश्रय गृह स्थानांतरण को एलजी को लिखा पत्र

जासं, पूर्वी दिल्ली : अक्षरधाम मंदिर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-नौ पर बने शेल्टर होम को वैकल्पिक तौर पर दूसरी जगह स्थानांतरित करने के लिए एक सामाजिक संगठन ने दिल्ली के एलजी को पत्र लिखा है। सेंटर फोर होलिस्टिक डेवलपमेंट (सीएचडी) के कार्यकारी निदेशक सुनील कुमार आलेडिया ने बताया कि बेघर लोगों के लिए दिल्ली हाईकोर्ट के संज्ञान में लाकर अक्षरधाम मंदिर के पास पारिवारिक और शकरपुर स्कूल ब्लाक के पास पुरुष बेघर नागरिकों के लिए आश्रय गृह बनाए गए थे। ये दोनों आश्रय गृह दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की ओर से संचालित होते हैं। फिलहाल, राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण के चलते दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से आश्रय गृह को तोड़ा जाना है। इस मामले में संगठन के कार्यकारी निदेशक ने दिल्ली के उपराज्यपाल को पत्र लिखते हुए कहा है कि कड़ाके की सर्दी में आश्रय गृह को तोड़ना न्यायोचित नहीं है। साल 2010 में सर्दी में बेघर नागरिकों की मौत का मामला हाईकोर्ट के संज्ञान में आने के बाद आश्रय गृह का निर्माण किया गया था। फिलहाल, बेघर नागरिकों को ठंड से बचाने के लिए आश्रय गृह को दूसरी जगह पर स्थानांतरित कर दिया जाए।

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 13 जनवरी 2023

दिल्ली में एमसीडी चुनावों के बाद हर वॉर्ड को नया पार्षद मिल चुका है। अब वक्त है अपने पार्षदों को जानने का। आज से हम एक खास कॉलम 'अपना वॉर्ड, अपना पार्षद' शुरू कर रहे हैं। इसमें हम वॉर्ड की खासियतों और समस्याओं को समझेंगे और स्थानीय लोगों की राय जानेंगे। साथ ही समझेंगे कि नए पार्षद का क्या नजरिया है।

इस इलाके में बढ़ रहे डार्क स्पॉट, खत्म हो रही हरियाली

क्षेत्र के नए पार्षद के सामने होंगी कई बड़ी चुनौतियां

Poonam.Gaur@timesgroup.com

अपना वॉर्ड अपना पार्षद

वॉर्ड नं. 120- द्वारका-बी

■ **चौड़ी सड़कें**, खूबसूरत पार्क, बड़े अस्पताल और स्कूल, हरियाली और ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में रहने वाला एजुकेटेड वर्ग द्वारका-बी वॉर्ड की खासियत यही है। कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। ऐसे में दूर से देखने पर लगता है कि यहां तो समस्याएं हो ही नहीं सकती, लेकिन ऐसा नहीं है। लोगों के अनुसार विकास के नाम पर हरियाली नष्ट हो रही है। डॉर्क स्पॉट बहुत अधिक हैं। द्वारका खराब इंजीनियरिंग का एक जीता जागता उदाहरण है। जिसकी वजह से यहां लोगों ने एक चौक को इडियट चौक का नाम तक दे दिया।

क्षेत्र की खराब सड़कों की वजह से भी लोगों को दिक्कत होती है

क्या हैं मुख्य समस्याएं

1. शहर की चौड़ी सड़कों के बावजूद यहां दिन रात लगने वाला जाम बड़ी दिक्कत है
2. ड्रेन के उपर बने फुटपाथ जिन पर स्लैब न होने की वजह से हादसे होते हैं
3. सर्विस लेन पर लाइटों का अभाव जिसकी वजह से डार्क स्पॉट अधिक हैं

कैसे हो सकता है समाधान

कुछ सोसायटी जो द्वारका में पीछे की तरफ स्थित हैं, वहां पानी की समस्या गर्मियों में रहती है। यहां स्कूलों की संख्या काफी अधिक है। इस वजह से सुबह व दोपहर के समय जाम रहता है। द्वारका से धौलाकुआं को जोड़ने वाले पालम फ्लाईओवर, जनकपुरी को जोड़ने वाले द्वारका-डाबड़ी रोड और एयरपोर्ट को जोड़ने वाली महिपालपुर रोड पर जाम से बुरा हाल है। आने वाले समय में यहां भारत वंदना पार्क, इंटरनैशनल कनवेंशन सेंटर, हज हाउस जैसे कई प्रोजक्ट आने हैं। इसकी वजह से यहां गाड़ियों की संख्या भी बढ़ेगी। समस्या के निदान के लिए यहां एनएचएआई द्वारका एक्सप्रेस वे पर काम कर रहा है। अगस्त 2023 में यह पूरा हो सकता है। डार्क स्पॉट दूर करने के लिए निगम सर्वे पूरा करवा चुका है। पैदल रोड क्रास करने में समस्या के लिए यहां डीडीए चार एफओबी पर काम कर रहा है।

सिटी फॉरेस्ट की तर्ज पर विकसित होंगे पार्क : निगम पार्षद

बीजेपी की निगम पार्षद कमलजीत सहरावत का कहना है कि द्वारका बी वॉर्ड में हमने पांच सालों के दौरान कई काम किए हैं। इस साल हम गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग करने पर काम करेंगे। हमारा प्रयास रहेगा कि लोग घरों से कचरे को अलग कर दें। इस साल इलाके के पार्कों पर भी काम होगा। सिटी फॉरेस्ट की तर्ज पर विकसित पार्क बनेंगे। स्ट्रीट लाइट के लिए सर्वे पूरा हो गया है। जल्द ही इस पर काम हो जाएगा।

बोली जनता

यहां डॉर्क स्पॉट काफी हैं। मास्टर प्लान रोड-2 पर डीपीएस के सामने, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के सामने काफी अंधेरा हो जाता है। - *आभा गौरेन, सदस्य, फेडरेशन ऑफ सीजीएचएस द्वारका*

द्वारका के बाजारों में इलेक्ट्रिक सेफ्टी के इंतजाम नहीं हैं। खुले तार हर जगह लटकते रहते हैं। इससे हादसों का डर रहता है। - *अजित स्वामी, प्रेजिडेंट, ऑल द्वारका रेजिडेंट्स फेडरेशन*

यहां पर सड़क पार करने के लिए एफओबी नहीं है। गाड़ियों के बीच से सड़क पार करना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। - *रवि जेटली, सीनियर हब द्वारका*